डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय समाचारिकी
Dr. Sarvepalli Radhakrishnan Rajasthan Ayurved University Newsletter

आयुर्वेदात्मकं ज्योतिः शाश्वतं नः प्रकाशताम्।

वष 4 | अंक–3 | 01 जनवरो 2021

इस अंक म

	पृ
विश्वविद्यालय में संजीवनी पोस्ट कोविड केयर केन्द्र प्रारम्भ	2
पंचम आयुर्वेद दिवस व धन्वन्तरि जयन्ती कार्यक्रम आयोजित	2
गोद ग्राम गतिविधियां	3
सम्बद्ध संस्थाओं के समाचार	4,5
चित्र वीथिका	6,7
विश्वविद्यालय अखबारों की सुर्खियों में	8

कुलपति सन्देश

समय के साथ चरैवेति मन्त्र का अनुकरण करते हुए वैश्विक महामारी कोरोना के निराकरणकाल के प्रथम चरण में हमारा प्रवेश हो गया है और यह स्वीकारोक्ति मुझ गौरवान्वित करती है कि यह श्रेय हमारी अनादि और शाश्वत् परम्परा आयुर्वेद को जाता है कि निरामय जीवन हेतु आयुर्वेदिक स्वच्छता प्रणाली और घर–घर औषधप्रयोग ने भारतीयों के विश्वास को सबल किया है। सम्पूर्ण विश्व में मृत्युदर की तुलना में भारत में कोरोना मत्युदर अल्प रही। हमारा विश्वविद्यालय भी इस काल में औषधप्रयोग, औषध वितरण, कोरोना रोकथाम अभ्यास आदि कार्यों में सतत उद्यमशील रहा। इस विषम काल में विश्वविद्यालय परिवार द्वारा लगभग 15,184 पैकेट काढा एवं 4,43669 कोरोना किट महामारी से बचाव हेतु उपलब्ध करवाये गये।

आयुर्वेदिक चिकित्सा के साथ शिक्षण पद्वति को सुचारु करने हेतु विश्वविद्यालय के शैक्षणिक पोर्टल पर 2175 वीडियो, 75 आनलाईन लैक्चर्स, 250 ई–पुस्तकों को अपलोड करके आयुर्वेद शिक्षण को जारी रखने का प्रयास किया गया। आमजन को बेहतर स्वास्थ्य उपलब्ध हो, इसके लिये योगाभ्यास के वीडियो भी इस पोर्टल पर उपलब्ध है। पंचम आयुर्वेद दिवस समारोह का कोरोना प्रोटोकाल के अनुसार आयोजन करके विश्वविद्यालय ने आयुर्वेद की आध्यात्मिक प्रक्रिया में भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित की है।

रोगियों के स्वास्थ्य के संरक्षण के लिये पोस्ट कोविड केयर की स्थापना से विश्वविद्यालय कोरोना रक्षण का पूर्ण उत्तरदायित्व सम्भाले हुए है। इस प्रकार विश्वविद्यालय परिवार द्वारा सतत् चिकित्सा एवं नवाचार के द्वारा शिक्षण को सुचारु रूप से व्यवस्थित करने हेतु अभ्यास किया गया है। इस के लिये सम्बन्धित अधिकारियो ने अहर्निश परिश्रम किया और लॉकडाउन में भी विश्वविद्यालय को गतिमान स्वरूप प्रदान किया। इस अवधि में विश्वविद्यालय में सामाजिक गतिविधियां भी निरन्तर संचालित होती रही है। इस कडो में विश्वविद्यालय के गोद ग्राम घडाव एवं झालामण्ड में आयोजित गतिविधियों हेतु भी सम्बन्धित अधिकारियों का प्रयास सराहनीय रहा है।

रक्षण, शिक्षण, संरक्षण सभी क्षेत्रों में विश्वविद्यालय भविष्य में भी सभी चुनौतियों से निपटने में सक्षम होगा, ऐसी मेरी शुभकामना है।

प्रो. (डॉ.) अभिमन्यु कुमार

RAJBIL/2017/74087

विश्वविद्यालय में संजीवनी पोस्ट कोविड केयर एण्ड रैफरल सेन्टर का शुभारम्भ

कुलपति प्रो. डॉ. अभिमन्यु कुमार के मार्गदर्शन में दिनांक 21 नवम्बर 2020 को आयुवद विश्वविद्यालय परिसर स्थित यूनिवर्सिटी हास्पिटल ऑफ आयुर्वेद, कड़वड़ में संजीवनी पोस्ट कोविड रैफरल सेन्टर एवं श्री कनीराम सालगराम टाक सेटेलाईट आयुर्वेद चिकित्सालय, मगरा पूंजला में संजीवनी पोस्ट कोविड केयर सेन्टर की स्थापना की गई। मगरा पूंजला स्थित केन्द्र के उद्घाटन के अवसर जोधपुर जिला कलक्टर, कुलसचिव श्रीमती सीमा कविया, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद के प्राचार्य प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल, नर्सिंग प्रशिक्षण केन्द्र, पूँजला के प्राचार्य डॉ. बृज बिहारी मिश्रा सहित संकाय सदस्य एवं कर्मचारी उपस्थित थे। इन केन्द्रों के माध्यम से कोविड–19 से ठीक हुये रोगियों की देखभाल एवं उनके स्वास्थ्य संरक्षण के लिये इन रोगियों से प्रत्यक्ष एवं दूरभाष के माध्यम से सम्पर्क किया जा रहा है। साथ ही उनमें आ रहे लक्षणों से बचाव के उपाय एवं स्वास्थ्य सम्बंधित जानकारी दी जा रही है। अभी तक दूरभाष के माध्यम से 10,000 से अधिक लोगों से सम्पर्क किया गया है, जिसमें 5338 रोगियो को आयुर्वेद विधा के माध्यम से कोरोना से बचाव के उपायों की जानकारी दी गयी है। संजीवनी पोस्ट कोविड केयर एण्ड रैफरल सेन्टर के नोडल अधिकारी प्राचार्य प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल ने बताया कि सेन्टर पर आये रोगियों के लक्षणों के आधार पर उपचार एवं पोस्ट कोविड किट के रूप मे रसायन चूर्ण, सितोपलादि चूर्ण, अश्वगंधा चूर्ण, व्योषादि वटी, वातश्लैष्मिक क्वाथ और एम–वसाका सीरप दी जा रही है। इस केन्द्र पर सह–नोडल अधिकारी डॉ. महेश शर्मा एवं डॉ. विनोद कुमार गौतम व डॉ. राहुल पाराशर आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के रूप में निरन्तर अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

पंचम आयुर्वेद दिवस एवं धन्वन्तरि जयन्ती कार्यक्रम आयोजित

दिनांक 13 नवम्बर 2020 को विश्वविद्यालय परिसर में पंचम आयुर्वेद दिवस का आयोजन विधिपूर्वक भगवान धन्वन्तरि के पूजन के साथ किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में आयुर्वेद के स्नातकोत्तर एवं स्नातक वर्ग के विद्यार्थियों द्वारा आयुर्वेद का महत्त्व विषयक ऑनलाइन पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल, डॉ. मनोज शर्मा, डॉ. गोविन्द प्रसाद गुप्ता, डॉ. ब्रह्मानन्द शर्मा आदि संकाय सदस्य एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

गोद ग्राम की गतिविधियां

28 अक्टूबर 2020 को विश्वविद्यालय द्वारा गोद ग्राम झालामण्ड में आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर में विविध रोगों से बचाव एवं उपचार हेतु परामर्श दिया गया जिसमें 198 रोगी लाभान्वित हुए। इसी प्रकार विश्वविद्यालय द्वारा एक अन्य गोद ग्राम घडाव में नशामुक्ति शिविर का आयोजन किया गया जिसमें ग्रामीणों को नशे से होने वाले दुष्प्रभाव व नशामुक्ति हेतु परामर्श प्रदान किया गया। ग्रामोणों को आयुर्वेद के प्रति जागरुक करने हेतु औषधि वितरण भी किया गया।

23 अक्टूबर 2020 को गोदग्राम घडाव में शिविर आयोजित किया गया जिसमें पुलिस थाना करवड एवं राष्ट्रिय फैशन संस्थान के कोविड संक्रमित 125 रोगियों को विश्वविद्यालय के चिकित्सकों ने निशुल्क हौम्योपैथी औषधियां वितरित की गयी।

28 नवम्बर 2020 को गोदग्राम घडाव में कोरोना से सम्बंधित सर्वे कर, कोरोना से बचाव के लिये 07 दिवसीय शिविर का आयोजन करके प्रतिरोधक क्षमता की वृद्धि के लिये वातश्लैष्मिक क्वाथ का वितरण किया गया। इस शिविर में तम्बाकू, गुटखा इत्यादि का नशा करने वाले रोगियों का भी सर्वे किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में डॉ. अरुण दाधीच, डॉ. ऋतु कपूर, डॉ. मनोज अदलखा एवं स्नातकोत्तर अध्येता उपस्थित थे।

श्रीमती सीमा कविया विश्वविद्यालय को कुलसचिव नियुक्त

विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री अरुण कुमार पुरोहित (आरएएस) का स्थानांतरण अतिरिक्त संभागीय आयुक्त, जोघपुर सम्भाग के पद पर किये जाने के फलस्वरूप राज्य सरकार द्वारा उनके स्थान पर श्रीमती सीमा कविया (आरएएस) को विश्वविद्यालय के कुलसचिव के पद पर स्थानांतरित किया गया। श्रीमती कविया ने दिनांक 19 अक्टूबर 2020 का नवीन पद का पदभार ग्रहण किया। श्रीमती कविया राजस्थान प्रशासनिक सेवा की वरिष्ठ अधिकारी हैं। वे इससे पूर्व अतिरिक्त कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, जोधपुर, उपायुक्त, जोधपुर विकास प्राधिकरण, जिला परिवहन अधिकारी, जोधपुर, सहायक आयुक्त (1)(सतर्कता), उपनिवेशन विभाग, बीकानेर, सहायक आयुक्त, उपनिवेशन विभाग, छतरगढ़, बीकानेर, उपखण्ड अधिकारी, बीकानेर उत्तर, आदि पदों पर भी कार्य कर चुकी हैं।

कोरोना काल में आरोग्य होम्यौपेथी मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पीटल, जयपुर के नवाचार

वैश्विक महामारी कोविड–19 के सम कई बड़ी चुनौतियाँ उभर कर सामने आईं। एक तो विद्यार्थियों से सम्बन्धित थी और दूसरी जनसाधारण के स्वास्थ्य को बनाये रखने हेतु इम्यूनिटी को बढाने की। इन दोनों ही चुनौतियों का समाधान करते हुए प्रथम महाविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के अध्ययन की हानि न हो, इसके लिए ऑनलाईन कक्षाओं का नियमित संचालन किया गया। महाविद्यालय के समस्त संकाय सदस्यों द्वारा अपने–2 विषय की कक्षाओं का पूर्ण निष्ठा से ऑनलाईन अध्यापन करवाया गया।

दूसरी चुनौती के अन्तर्गत महाविद्यालय द्वारा जनसाधारण के लिए कोविड–19 रोग से बचाव हेतु इम्यूनिटी बढ़ाने के क्रम में इम्यूनिटी बूस्टर किट आर्सेनिक एल्बम 30 का हॉस्पीटल में वितरण किया गया। इसके अतिरिक्त समय–समय पर विभिन्न स्थानों पर कोरोना से रोकथाम हेतु विभिन्न उपायों के बारे में जागरुकता हेतु जन–आन्दोलन रैलियों का आयोजन भी महाविद्यालय द्वारा किया गया।

स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज, जयपुर में आयोजित गतिविधियां

केन्द्रीय होम्योपैथी परिषद् ;ब्म्द्ध, नई दिल्ली के निर्देशानुसार स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज के सभी संकाय सदस्यों, अधिकारियों तथा कार्मिकों ने दिनांक 16 अक्टूबर 2020 को कोविड–19 वायरस के फैलाव को रोकने हेतु विशेष सावधानियां जैसे– दो गज की दूरी बनाये रखना, मास्क पहनना, आदि के सम्बन्ध में प्रतिज्ञा ली।

सभी संकाय सदस्यों व विद्यार्थियों ने कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने हेतु पोस्टर्स व स्लोगन के माध्यम से जागरुकता रैली का आयोजन किया। साथ ही जनसाधारण के स्वास्थ्य हेतु कोरोना से सम्बंधित खतरों के बारे में अवगत कराया गया। कोरोना वायरस से लड़ने हेतु इम्यूनिटी बूस्टर किट (आर्सेनिक एल्बम–30) का निःशुल्क वितरण किया गया।

दिनांक 26 नवम्बर 2020 को मनाये गये संविधान दिवस के अवसर पर आयोजित ऑनलाईन प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने चढ़–बढ़कर भाग लिया व अपने–2 विचार व्यक्त किये। 22 दिसम्बर 2020 को कॉलेज में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों व संकाय सदस्यों ने 26 यूनिट रक्त का दान किया।

एमएल निर्वाण होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज, बीकानेर में आयोजित गतिविधियां

कोरोना काल के इस कठिन समय में बोकानेर स्थित होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज द्वारा बीकानेर के कई गाँव जैसे उदासर, रिडमलसर, सिपाहियान, गढवाला में कोरोना वॉरियर्स के स्वास्थ्य रक्षणार्थ होम्योपैथी इम्यूनिटी बूस्टर किट का वितरण किया गया तथा कोरोना जागरुकता अभियान के तहत पाँच गाँव सागर, रिडमलसर, उदासर, पेमासर, गढवाला गोद लिये गये। ग्रामोणों को वैश्विक महामारी से बचाव के तरीकों से अवगत कराया गया तथा इम्यूनिटी बूस्टर किट का निःशुल्क वितरण किया गया साथ ही साथ अस्पताल में डायबिटीज टाईप वन के लिये आयोजित निशुल्क चिकित्सा शिविर में ऊँटनी के दूध से निर्मित दवाओं के सेवन से इन्सुलिन पर निर्भरता कम को जा सकने की संभावना के बारे में कॉलेज प्राचार्य डॉ. एजाज सुलेमानी द्वारा अवगत कराया गया। दिनांक 16 अक्टूबर 2020 को कोविड 19 के परिपक्ष्य में जनस्वास्थ्य हेतु शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय संकाय सदस्य द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन

विश्वविद्यालय की आंगिक संस्था यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद में स्नातकोत्तर शरीर रचना विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर एवं विश्वविद्यालय के चीफ प्रॉक्टर डॉ. राकेश कुमार शर्मा द्वारा लिखित पुस्तक वैदिक एवं यौगिक शारीर का विमोचन यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद के प्राचार्य प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल द्वारा किया गया। उक्त पुस्तक की सह–लेखिका डॉ. निधि श्रीवास्तव, एसोसिएट प्रोफेसर, रचना शारीर, शासकीय आयुवेद कॉलेज, जबलपुर हैं।

संकाय सदस्यों द्वारा लिखित शोध पत्र अन्तरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित

विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर कौमारभृत्य विभाग में विभागाध्यक्ष डॉ. प्रेम प्रकाश व्यास, सहायक प्रोफेसर डॉ. हरीश सिंघल एवं स्नातकोत्तर अध्येताओं डॉ. निधि अवस्थी व डॉ. नीतू सिंह द्वारा लिखित शोध पत्र Repercussions of Digital Education on Children During Covid-19 Pandemic अमेरिका के Crimsons Publishers द्वारा प्रकाशित अन्तरराष्ट्रीय स्तर के रिसर्च जर्नल Research in Pediatrics & Neonatology के अक्टूबर 2020 के अंक में प्रकाशित हुआ।

चित्र वीथिका

प्राचार्य एवं विभागाध्यक्ष, स्नातकोत्तर रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल व अन्य संकाय सदस्यों एवं स्नातकोत्तर अध्येताओं द्वारा विश्वविद्यालय की केन्द्रीय रसायनशाला में कूपीपक्व रसौषधि रससिन्दूर का शास्त्रोक्त विधि से निर्माण

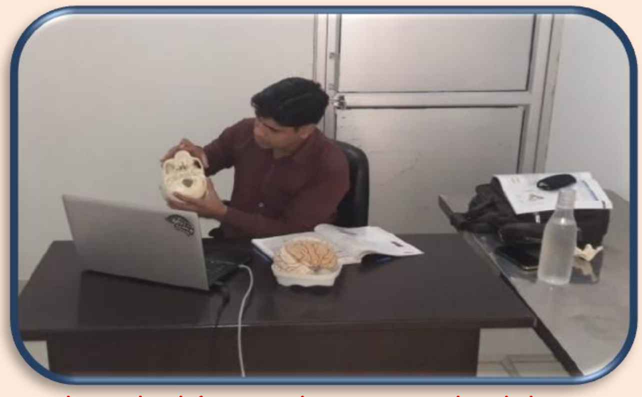

आरोग्य होम्योपैथी कॉलेज, जयपुर में कोरोना काल में विद्यार्थियों के लिए ऑनलाईन अध्यापन संचालित एवं इम्यूनिटी बूस्टर किट आर्सेनिक एल्बम–30 का जन साधारण में वितरण

गोदग्राम घड़ाव में विश्वविद्यालय संकाय सदस्या द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथी कॉलेज, जयपुर में 22 दिसम्बर 2020 को रक्तदान शिविर एवं 26 नवम्बर 2020 को संविधान दिवस का आयोजन

डॉ. एमएन होम्योपैथी महाविद्यालय, बीकानेर में कोविड–19 से बचाव हेतु जन–जागरुकता अभियान के लिए स्टॉफ द्वारा शपथ ग्रहण

डॉ. एमएन होम्योपैथी महाविद्यालय, बीकानेर में कोविड–19 से बचाव हेतु इम्यूनिटी बूस्टर किट आर्सेनिक एल्बम–30 का जन साधारण में वितरण

स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथी कॉलेज, जयपुर द्वारा दिनांक 06 नवम्बर 2020 को कोविड–19 से बचाव हेतु जन–जागरुकता रैली का आयोजन

स्वास्थ्य कल्याण चिकित्सा महाविद्यालय, जयपुर में इम्यूनिटी बूस्टर किट आर्सेनिक एल्बम–30 का वितरण

गोदग्राम झालामण्ड में विश्वविद्यालय संकाय सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध संस्थाएं अखबारों की सुर्खियों में

डायबिटीज टाइप- निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

कामयाब कलम रिपोर्टर

बीकानेर। मांगीलाल निर्बान होमोएओपथिक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में बुधवार को डायबिटीज टाइप-वन चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ ऐजाज अज़ीज़ सुलेमानी ने बताया की कॉलेज मे डायबिटीज टाइप-1 के लिये निःशुल्क शिविर का आयोजन किया गया। शिविर मे प्राचार्य डॉ.ऐजाज अज़ीज़ सुलेमानी ने बताया की शिविर मे विशेष रूप से ऊंट के दूध से निर्मित दवा से… डायबिटीज का इलाज किया ज… है। डायबिटीज टाइप-1 मे इंसु… के इंजेक्शन लेने पड़ते है। ऊंट… दूध से निर्मित दवाई के सेवन… इंसुलिन की निर्भर्ता कम की… सकती है । शिविर मै प्राचार्य… ऐजाज अज़ीज़ सुलेमानी,पी. … स्कॉलर डॉ पुनीत खत्री, डॉ न… कुमार, डॉ. भवानी, डॉ. श्रुति, … अनु कंवर , डॉ यासिर मिर्जा, … सुरेंदर मावर, डॉ नेहा, डॉ वीरपाल सिंह ने अपनी सेवाए दी। शिविर मे रोगियो को निशुल्क चिकित्सा सेवा उपलब्ध करवाई गयी। प्राचार्य डॉ ऐजाज अज़ीज़ सुलेमानी ने बताया की मांगीलाल निर्बान होमोएओपथिक अस्पताल मे कोरोना से बचाव के लिए इममुनिटी बूस्टर दवाई उपलब्ध है। प्राचार्य ओर अस्पताल अधीक्षक डॉ. ऐजाज अज़ीज़ सुलेमानी ने ग्रामीणो को बताया की कोरोना महामारी से बचाव के लिए दो गज की दूरी के नियम का पालन करने का आहवन किया। उन्होने ये भी बताया की बार बार हाथ साबुन से धोये तथा जगह जगह नहीं थूकने का आहवान किया ।शिविर के दोरान दो गज की दूरी के नियम का पालन किया गया।

…कृत किया था अपना संविधान
…धिकारों और कर्त्तव्यों के संतुलन का गौरव ग्रंथ

कलराज मिश्र

उदासर में चलाया कोरोना जागरूकता अभियान

कामयाब कलम रिपोर्टर

बीकानेर। मांगीलाल निर्बान होमोएओपथिक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल प्रबंधन की गोद लिए गए उदासर मे मंगलवार को कोरोना जागरूकता अभियान के तहत लोगो को कोरोना महामारी के बारे में जागरूक किया। अभियान के तहत कॉलेज क प्राचार्य ओर अस्पताल अधीक्षक डॉ. ऐजाज अज़ीज़ सुलेमानी ने ग्रामीणो को बताया की कोरोना महामारी से बचाव के लिए दो गज की दूरी के नियम का पालन करने का आहवन किया। उन्होने ये भी बताया की बार बार हाथ साबुन से धोये तथा जगह जगह नहीं थूकने का आहवान किया। इस अवसर पर गाँव को सेनिटीज़ करवाया गया। डॉ. ऐजाज अज़ीज़ सुलेमानी ने बताया की कॉलेज द्वारा पाँच गाँव गोद (सागर, रिदमलसर, गाढ़वला, पेमासर, उदासर) लिए गए है। इन गांवो में कॉलेज द्वारा हर महीने निसुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाता है, तथा ग्रामीणो को निसुल्क चिकित्सा सुविधा दी जाती है। आज उदासर गाँव में कॉलेज के पी. जी. स्कॉलर डॉ पुनीत खत्री,डॉ भवानी शंकर शर्मा, डॉ नरेंदर कुमार, डॉ अनु कंवर, डॉ ऋषि, डॉ सुरेंदर मावर, डॉ. अभिनव व्यास, डॉ नेहा, डॉ वीरपाल सिंह द्वार… कोरोना से बचाव के लिए इममुनिटी बूस्ट… दवाई का वितरण किया गया, तथा गाँव… वालो को इस महामारी से बचाव के लिए… जागरूक किया गया। प्राचार्य डॉ. ऐजाज… अज़ीज़ सुलेमानी ने बताया की कोरोना से… बचाव के लिए इममुनिटी बूस्टर दवाई… हॉस्पिटल में निसुल्क उपलब्ध है।

शोध : बिना एंटीबायोटिक सफलतापूर्वक हुए दर्जनों ऑपरेशन

एंटीबायोटिक का बेहतर विकल्प साबित हुआ चरक का नुस्खा

संतोष शुक्ल ● मेरठ

एंटीबायोटिक दवाओं का अंधाधुंध इस्तेमाल बीमारियों से लड़ने की हमारी क्षमता को खत्म कर रहा है। नतीजा, एंटीबायोटिक का हाई डोज भी अब बेअसर साबित हो रहा है। चिंतित मरीज भी हैं और डॉक्टर भी। लेकिन करें क्या? मेरठ के एक आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. संजय जैन ने इसका हल खोजने की कोशिश की है। उनका दावा है कि उन्होंने आयुर्वेद के नुस्खों का इस्तेमाल कर एक नहीं बल्कि कई ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न किए। …में मरीज को एंटीबायोटिक दवाओं की जगह चरक के नुस्खे से तैयार आयुर्वेदिक दवाएं ही दी गईं। डॉ. जैन का दावा इसलिए भी खास लग रहा है कि एक एलोपैथिक चिकित्सक के बावजूद वह आयुर्वेद का सफलतापूर्वक इस्तेमाल कर रहे हैं।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन से साझा : डॉ. जैन एंटीबायोटिक …मह आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों का इस्तेमाल कर कई मरीजों का ऑपरेशन कर चुके हैं। नतीजे उम्मीद बढ़ाने वाले हैं। मरीजों को बिना एंटीबायोटिक …ई संक्रमण नहीं हुआ और कुछ

ऑपरेशन में जुटे डॉ संजय जैन। ● जागरण

को बहुत हल्की एंटीबॉयोटिक देनी पड़ी। डॉ. जैन का यह शोध रिसर्च जर्नल आर्युवेदा एंड इंटीग्रेटिव मेडिसन में छपने के लिए स्वीकृत हुआ है। इस नई चिकित्सा पद्धति पर एक प्रजेंटेशन भी जल्द ही इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के सामने प्रदर्शित होने जा रहा है।

प्राकृतिक जीवाणुरोधक : इस प्रयोग की शुरुआत डेढ़ साल पहले हुई। आनंद अस्पताल में 82 वर्षीय मरीज ओजस्वी शर्मा के प्रोस्टेट का ऑपरेशन किया गया था। छह डॉक्टरों की इस टीम में शामिल डॉ. जैन ने संक्रमण से बचाव के लिए एंटीबायोटिक की जगह पंच तिक्त घृत गुग्गल, त्रिफला, हल्दी के तेल, गिलोय एवं आरोग्यवर्धनी बूटी का फार्मूला आजमाने की सलाह दी। इसके लिए पतंजलि के आयुर्वेदाचार्य बालकृष्ण से भी परामर्श लिया गया। प्री-ऑपरेशन और पोस्ट ऑपरेशन यानी ऑपरेशन से पहले और बाद में दी जाने वाली दवा… की डोज तय की गई। प्रयोग सफ… रहा। मरीज में कोई संक्रमण नहीं हु… इसके बाद डॉ. जैन ने चरक एवं सु… संहिता के नुस्खों को एलोपैथिक इल… में आजमाना शुरू किया। एंटीबायोटिक दिए बगैर तमाम मरीजों की हड्डी… ऑपरेशन किया गया। जटिल संक्रमण की आशंका वाले ऑप… में भी सिर्फ सिंगल शॉट एंटीबायो… दी गई।

सरोकार की अन्य ख…
www.jagran.com/topics/positive…

संरक्षक	उप संरक्षक	सम्पादक	सह–सम्पादक		
प्रो. (डॉ.) अभिमन्यु कुमार	श्रीमती सीमा कविया RAS	डॉ.राकेश कुमार शर्मा	डॉ.मोनिका वर्मा	डॉ. अरुण दाधीच	डॉ. हरीश सिंघल
कुलपति	कुलसचिव	एसोसिएट प्रोफेसर रचना शारीर एवं चीफ प्रॉक्टर	असिस्टेण्ट प्रोफेसर मौलिक सिद्धान्त	असिस्टेण्ट प्रोफेसर रोग व विकृति विज्ञान	असिस्टेण्ट प्रोफेसर कौमारभृत्य

सम्पर्क: डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, कड़वड़, नागौर रोड, राष्ट्रीय राजमार्ग सं. 65, जोधपुर (राज.)

Phone: 0291-2795312, Fax:0291-2795300 E-mail: rau_jodhpur@yahoo.co.in Website: www.education.rajasthan.gov.in/raujodhpur

स्वत्वाधिकारी डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के लिए डॉ. राकेश कुमार शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, स्नातकोत्तर रचना शारीर विभाग एवं विश्वविद्यालय चीफ प्रॉक्टर द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित एवं डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर से प्रकाशित।

सम्पादक: डॉ. राकेश कुमार शर्मा

सेवा मं प्रिण्टेड बुक भारत सरकार की सेवार्थ